අල් කුර්ආනය අරාබි බසින් පහළ වුයේ ඇයි?

दुनिया में हजारों भाषाएं और बोलियां हैं। यदि उनमें से किसी भी एक भाषा में उतारा जाता, तो लोग प्रश्न करते कि दूसरी भाषा में क्यों नहीं उतारा गया? अल्लाह प्रत्येक रसूल को उसके समुदाय की भाषा में भेजता है। उसने अपने रसूल मुहम्मद -सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- को आख़िरी रसूल के तौर पर चुना, क़ुरआन को उनके समुदाय की भाषा में उतारा और उसे क़यामत के दिन तक विकृत होने से सुरक्षित रखा, जैसा कि उसने मसीह की पुस्तक के लिए आरामी भाषा को चुना।

"और हमने हर नबी (संदेशवाहक) को उसकी कौम की भाषा में ही भेजा है, ताकि उनके सामने स्पष्ट तौर से बयान कर दे।" [126] [सूरा इब्राहीम : 4]

ඉස්ලාමය පිළිබඳ ප්‍රශ්න හා පිළිතුරු

□□□□□□□: □□□□□://□□□□□□□□□.□□□/□□□□□/□□/□□/□□□□□/50/

□□□□□□□ □□□□□□□: □□□□□://□□□□□□□□□.□□□/□□□□□/□□/□□/□□□□□/50/

□□□□□□□ 23□□ □□ □□□□□□□□ 2026 08:20:52 □□